



FTSE सूचकांक में शामिल हुए भारतीय बॉण्ड

[स्रोत: लाइवमटि](#)

हाल ही में FTSE (फाइनेंशियल टाइम्स स्टॉक एक्सचेंज) रसेल ने घोषणा की है कि वह सितंबर 2025 से भारत के [सावरेन बॉण्ड](#) को अपने इमर्जिंग मार्केट गवर्नमेंट बॉण्ड इंडेक्स (EMGBI) में शामिल करेगा।

परचिय:

- FTSE रसेल (एक अग्रणी वैश्विक सूचकांक प्रदाता), जेपी मॉर्गन और ब्लूमबर्ग के बाद भारतीय बॉण्ड को अपने इमर्जिंग मार्केट बॉण्ड इंडेक्स में शामिल करने वाला तीसरा संगठन बन गया है।
 - EMGBI द्वारा 16 देशों के स्थानीय मुद्रा सरकारी बॉण्ड के प्रदर्शन पर नज़र रखी जाती है, जो पोर्टफोलियो प्रबंधकों के लिये एक व्यापक बेंचमार्क के रूप में कार्य करता है।

भारत का प्रतिनिधित्व:

- तीन वर्षों तक FTSE की नगिरानी सूची में रहने के बाद भारतीय सरकारी बॉण्ड अब EMGBI का 9.35% प्रतिनिधित्व करेंगे।

भारत के बॉण्ड बाज़ार पर प्रभाव:

- इस समावेशन से भारत के बॉण्ड बाज़ार में अरबों डॉलर का नविश हो सकता है, जिससे भारतीय बॉण्डों की मांग बढ़ेगी और नविशकों की भावना में सुधार होगा।
- भारतीय बॉण्डों के तहत लगभग 18.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का वदेशी नविश आकर्षित हुआ है, जो बढ़ती वैश्विक रुचि का संकेत है।

सरकारी बॉण्ड:

- यह केंद्र या राज्य सरकारों द्वारा जारी किया जाने वाला एक व्यापार योग्य ऋण साधन है।
- इसका उपयोग सरकार द्वारा अपने [राजकोषीय घाटे](#) के वित्तपोषण के लिये लोगों से धन उधार लेने के लिये किया जाता है।

और पढ़ें: [भारतीय बॉण्ड का JP मॉर्गन GBI-EM सूचकांक में समावेश](#)